भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5087
04.04.2022 को उत्तर के लिए

पारिवारिक वानिकी की अवधारणा

5087. श्री विनोद कुमार सोनकर :
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव :
डॉ. जयंत कुमार राय :
श्री भोला सिंह :
डॉ. सुकान्त मजूमदार :
श्री राजा अमरेश्वर नाईक :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने मरूस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीसीडी) द्वारा प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र का 'लैंड फॉर लाइफ' पुरस्कार 2021 जीता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यूएनसीसीडी ने एक अनूठी अवधारणा के रूप में पारिवारिक वानिकी की प्रशंसा की है, जो एक वृक्ष को परिवार के साथ जोड़ता है और इसे एक हरित परिवार का सदस्य बनाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का पर्यावरण संरक्षण के लिए देश में पारिवारिक वानिकी की अवधारणा को बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (ग): लैंड फॉर लाइफ मरूस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र संधि (यूएनसीसीडी) का एक अवार्ड कार्यक्रम है, जो अवार्ड प्रत्येक दो वर्षों के अंतराल पर प्रदान किया जाता है। लैंड फॉर लाइफ अवार्ड का उद्देश्य उन व्यक्तियों और संगठनों को वैश्विक मान्यता प्रदान करना है जिनके कार्यों और पहलों ने संधारणीय भूमि प्रबंधन (एसएलएम) के माध्यम से संधारणीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूएनसीसीडी द्वारा लैंड फॉर लाइफ अवार्ड 2021 दिनांक 17 जून, 2021 को राजस्थान, भारत के फेमिलियल फॉरेस्ट्री को प्रदान किया गया है।

फैमिलियल फॉरेस्ट्री का तात्पर्य वृक्ष की परिवार के सदस्य के रूप में देखभाल करना है ताकि वृक्ष परिवार की चेतना का हिस्सा बन सके। इस आंदोलन में उत्तर-पूर्वी राजस्थान के मरूस्थल-प्रवण

15,000 से अधिक गांव के एक मिलियन से अधिक परिवारों को शामिल किया गया था। यूएनसीसीडी के अनुसार, छात्रों तथा मरूस्थल के निवासियों की सक्रिय भागीदारी से गत 15 वर्षों में लगभग 2.5 मिलियन पौधे लगाए गए हैं।

अवार्ड प्रदान करते समय, यूएनसीसीडी ने उल्लेख किया है कि राजस्थान, भारत की फैमिलियल फॉरेस्ट्री एक अनूठी अवधारणा है, जो किसी वृक्ष का परिवार के साथ संबंध जोड़ता है जिससे वह एक हरित ''पारिवारिक सदस्य'' बन जाता है। इस हरित या पारि-सामाजीकरण से पर्यावरणीय संवेदनशीलता और सशक्तीकरण लाने में मदद मिलती है।

सरकार के पास वनीकरण/वृक्षारोपण से संबंधित विभिन्न योजनाएं हैं जिनके माध्यम से उस विशेष क्षेत्र की जलवायु संबंधी और भौगोलिक दशा के आधार पर मरूस्थलीकरण और भूमि अवक्रमण से निपटने का कार्य किया जा रहा है। इन योजनाओं में बीस सूत्री कार्यक्रम (टीपीपी) के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की कुछ योजनाएं जैसे- राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम (एनएपी), राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम) आदि शामिल हैं।

*****